वैदिक सभ्यता

1500 BC to 600 BC

1. सिन्धु सभ्यता के पश्चात भारत मे जिस नवीन सभ्यता का विकास हुआ उसे वैदिक सभ्यता अथवा आर्य सभ्यता के नाम से जाना जाता है भारत का इतिहास अर्थात एक प्रकार से आर्य जातियों का ही इतिहास है आर्यों का इतिहास मुख्यतः वेदो से ही प्राप्त होता है।

2. समाधयतः ऐसा माना जाता है कि सैन्धव सभ्यता के ह्रास के दिनों मे विदेशी आक्रान्ताओं ने सैन्धव नगरों को ध्वस्त कर दिया ऋग्वेद मे उल्लेखित बहुत से ऐसे तथ्य मिलते है जिससे ऐसा लगता है कि आर्यो ने ही सैन्धव सभ्यता का नाश किया हो। जैसे —

[i] ऋग्वेद मे पुरों (किलो) का वर्णन है जिसको विनष्ट करने के कारण इन्द्र को पुरन्दर कहा गया है पुरन्दर का अर्थ होता है किलो को ध्वस्त करने वाला

[ii] ऋग्वेद मे इन्द्र को दास-दस्यु का विनाश करने वाला "दस्यु हन" कहा गया है।

3. दास दस्यु की जो विशेषताएं ऋग्वेद मे वर्णित है वे विशेषताएं सैन्धव वासियो में देखी जा सकती है ऋग्वेद मे दास दस्यु को —

[I] अकर्मन् - अर्थात वैदिक क्रिया कलापों को न करने वाला

[II] अदेवयुः — अर्थात वैदिक देवताओं को न मानने वाला

[III] अयज्वन — अर्थात यज्ञ न करने वाला

[IV] अन्यव्रत — अर्थात वैदिकेतर व्रतो का अनुसरण करने वाला

[V] मृधवाक् — अर्थात अपरिचित भाषा बोलने वाला

[VI] अब्रह्मन — अर्थात श्रद्धा और धार्मिक विश्वासों से रहित

[VII] अव्रत — अर्थात व्रतो से रहित

[VIII] शिश्नदेवाः — अर्थात लिंग पूजक कहा गया है।

Scanned with CamScanner

दास दस्यु की संस्कृति जो ऋग्वेद में बतलाई गई है वह सैन्धव सभ्यता के लोगों से मिलती जुलती है अतः इस विवरण को देखते हुए इस निष्कर्ष की सम्भावना बन जाती है कि सैन्धव नगरों के विनाश अन्ततोगत्वा सम्भवतः आर्यों के आक्रमण से ही हुआ।

Scanned with CamScanner